

राष्ट्रीय शक्तिष्क पुरस्कार 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने [राष्ट्रीय शक्तिष्क पुरस्कार, 2024](#) के लिये बिहार के दो शक्तिष्कों का चयन किया है।

मुख्य बंदि

- चयनति शक्तिष्कों में शामिल हैं: **सकिंदर कुमार सुमन**, जो काइमूर ज़लि के तरहनी न्यू प्राइमरी स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं और **डॉ. मीनाक्षी कुमारी**, जो मधुबनी ज़लि के शवि गंगा गर्ल्स हाई स्कूल में शक्तिष्किा हैं।
- उन्हें दलिली के वजिजान भवन में **शक्तिष्क दविस** पर **राष्ट्रपतिदरौपदी मुरमू द्वारा सम्मानति** किया जाएगा।
- यह पुरस्कार शक्तिष्का के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लयि शक्तिष्कों को दयिा जाता है। उन्हें **50,000 रुपए का नकद पुरस्कार, एक रजत पदक और एक प्रशस्त-पत्र** दयिा जाएगा।
- इस प्रतषिठति पुरस्कार के लयि देश भर से कुल **50 शक्तिष्कों का चयन किया गया है।**

शक्तिष्क दविस

- वर्ष 1962 से प्रतविर्ष 5 सतिंबर को मनाया जाने वाला शक्तिष्क दविसभारत में **शक्तिष्कों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहति शक्तिष्कविदों के योगदान का सम्मान करता है।**
 - उस समय भारत के राष्ट्रपति **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन** ने वदियार्थयिों के आग्रह पर उनके **जनमदनि को शक्तिष्क दविस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा।**
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में:**
 - जन्म:**
 - उनका जन्म **5 सतिंबर, 1888** को तमलिनाडु के तरित्तनी शहर में एक तेलुगू परिवार में हुआ था।
 - शक्तिष्का:**
 - उन्होंने मद्रास के क्रशिचयिन कॉलेज में दर्शनशास्त्र का अध्ययन किया और बाद में मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज तथा मैसूर वशि्वदियालय में प्रोफेसर बने।
 - रोजगार:**
 - उन्होंने वर्ष 1952 से 1962 तक **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति** और वर्ष 1962 से 1967 तक **भारत के दूसरे राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया।
 - वे वर्ष 1949 से 1952 तक **सोवयित संघ में भारत के राजदूत रहे तथा वर्ष 1939 से 1948 तक बनारस हद्दि वशि्वदियालय के चौथे कुलपति रहे।**
 - उपलब्धि:**
 - वर्ष 1984 में उन्हें मरणोपरांत (मृत्यु के बाद) **भारत रत्न** से सम्मानति किया गया।
 - उल्लेखनीय कार्य:**
 - समकालीन दर्शन में धर्म का शासन (Reign of Religion in Contemporary Philosophy), रवीन्द्रनाथ टैगोर का दर्शन (The Philosophy of Rabindranath Tagore), जीवन का हद्दि दृष्टिकोण (The Hindu View of Life), कल्किया सभ्यता का भवषिय (Kalki or the Future of Civilisation), जीवन का एक आदर्शवादी दृष्टिकोण (An Idealist View of Life), जसि धर्म की हमें आवश्यकता है (The Religion We Need), भारत और चीन (India and China) तथा गौतम बुद्ध (Gautama the Buddha)

